एक नजर में

दादी के पैसे के लिए भाई पर भाई ने किया हमला

गुना। कैंट थाना अंतर्गत पटेल नगर इलाके में पारिवारिक विवाद ने उस वक्त हिंसक रूप ले लिया, जब संपत्ति और पैसों के लालच में एक भाई ने दूसरे भाई की जान लेने की कोशिश की। बुजुर्ग दादी के मकान के पैसों के लेनदेन को लेकर हुए इस विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। घायल को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों के मुताबिक विवाद की जड़ बुजुर्ग दादी के पुराने मकान की बिक्री या उससे जुड़ा पैसा है। दादी वर्तमान में संयुक्त परिवार में रहती हैं और वह अपने पास रखे पैसे पोते समीर को देना चाहती थीं। दादी का समीर के प्रति यह झुकाव दूसरे भाई फरहान को नागवार गुजरा। फरहान का तर्क था कि दादी के मकान के पैसों पर उसका भी बराबर का हक है और वह भी हिस्सा चाहता था। शुक्रवार को इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच कहासुनी शुरू हुई। समीर ने पैसे देने से इनकार कर दिया, जिससे फरहान आग बबूला हो गया।

रस्सी से युवक ने लगाई फांसी, मौत

गुना। बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र की माना कॉलोनी में शुक्रवार सुबह 18 वर्षीय युवक ने बिल्ली को बांधने वाली रस्सी से फांसी लगाकर जान दे दी। युवक के शव को परिजनों ने फंदे पर लटका देखा और पुलिस को सूचना दी।

जानकारी सामने आई है कि माना कॉलोनी में रहने वाले 18 वर्षीय युवक सोनू पुत्र भरोसा लोधा के शव शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे फंदे पर लटका देखा गया। परिजनों के मुताबिक घटना के समय सोनू के माता-पिता खेत पर गेहूं की कटाई करने गए थे। घर पर सोनू और उसकी छोटी बहन मौजूद थे। सोनू ने अपनी बहन से पालतू बिल्ली को बांधने का बहाना बनाकर रस्सी मांगी। जैसे ही बहन ने उसे रस्सी दी, सोनू ने घर के अंदर टांड़ पर चढ़कर बांस की बल्ली के सहारे फंदा बनाया और उस पर झूल गया।

गुना में सूर्य देव के तेवर तल्ख, अभी से दिन में निकलना मुश्किल

इस बार गर्मी के चलते मार्च में ही 'लू' जैसे हालात, 40 डिग्री के करीब पहुंचा पारा

नवभारत न्यूज

गुना 27 मार्च का। गुना जिले में इस बार गर्मी ने मार्च के महीने में ही अपने रौद्र रूप के दर्शन करा दिए हैं। आसमान से बरसती आग और गर्म हवाओं के थपेड़ों ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिसने सामान्य जनजीवन की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है।

शुक्रवार को दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार, जहां अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री रहा, वहीं न्यूनतम तापमान भी 22.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया है। इससे पहले गुरुवार को पारा 38.6 डिग्री तक जा पहुँचा था, जो इस सीजन का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। दिन के समय सूरज की तपिश इतनी तीखी हो गई है कि दोपहर 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं, और निकलते समय भी चेहरे को कपड़े से ढंककर धूप से बचने की कोशिश कर रहे हैं।

सूर्यास्त के समय में बदलाव

मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में सूर्यास्त का समय शाम 6 बजकर 35 मिनट दर्ज किया गया है। दिन की अवधि बढ़ने और धूप की तीव्रता तेज होने के कारण शाम के समय भी वातावरण में तपन बनी रहती है। लगातार पारा 35 डिग्री के ऊपर बने रहने से रात के समय भी अब लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है।

अप्रैल की शुरूआत में 40 पार होगा पारा

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जिस तेजी से तापमान में उछाल आ रहा है, उसे देखते हुए मार्च के अंतिम दिनों या अप्रैल के पहले सप्ताह में ही पारा 40 डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार कर जाएगा।

यदि गर्मी की यही रफ्तार रही, तो इस साल मई और जून के महीनों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ने की संभावना जताई जा रही है। प्री-मानसून गतिविधियों के अभाव के कारण फिलहाल आसमान साफ रहने और धूप के और तीखे होने के संकेत मिल रहे हैं।

सेहत पर भारी पड़ रहा मौसम का बदलाव

तापमान में अचानक आए इस उछाल का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। जिला अस्पताल और निजी क्लीनिकों में डिहाइड्रेशन, सिरदर्द और हीट स्ट्रोक के लक्षणों वाले मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। डॉक्टरों ने सलाह दी है कि इस मौसम में लोग अधिक से अधिक तरल पदार्थों (जैसे नींबू पानी, छाछ, ओआरएस) का सेवन करें और सीधी धूप से बचें।

पशु-पक्षियों के लिए भी बढ़ा संकट

इंसानों के साथ-साथ बेजुबान पशु-पक्षी भी इस तपिश से बेहाल हैं। तालाबों और जलस्रोतों के सूखने की आशंका के बीच शहर के जागरूक नागरिक जगह-जगह सकोरे बांधने और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील कर रहे हैं। गुना में मौसम के तीखे तेवर स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि आने वाले दिन और भी चुनौतीपूर्ण होने वाले हैं। यदि प्रशासन और आम नागरिक अभी से जल संरक्षण और गर्मी से बचाव के इंतजाम नहीं करते हैं, तो अप्रैल और मई का महीना काफी कष्टकारी साबित हो सकता है।

बाजार में बढ़ी कूलर-पंखों की मांग

बदलते मौसम के साथ ही शहर के बाजारों की रौनक भी बदल गई है। भीषण गर्मी और उमस से बचने के लिए लोगों ने अभी से कूलर और पंखों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। गुना के मुख्य बाजारों में कूलर, पंखे और एसी की बिक्री में अचानक तेजी आई है। दुकानदार बताते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस बार मार्च में ही मांग 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है। घरों और दफ्तरों में कूलर-पंखों के लगातार चलने से बिजली की खपत में भारी इजाफा हुआ है। बिजली विभाग के सूत्रों के अनुसार, पीक ऑवर्स में लोड काफी बढ़ गया है, जिससे कई क्षेत्रों में ट्रिपिंग की समस्या भी सामने आ रही है।

अमानक पॉलीथिन पर शिकंजा, दुकानदार पर 2 हजार का जुर्माना

गुना। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष और सीएम के संयुक्त निर्देश पर शहर में प्रतिबंधित और अमानक पॉलिथीन के विरुद्ध जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को स्वच्छता निरीक्षक विवेक श्रीवास्तव और उनकी टीम ने नगरीय क्षेत्र की दुकानों पर आकस्मिक दबिश दी, जिसमें प्रतिबंधित सामग्री का विक्रय और उपयोग पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की गई। नगर पालिका की टीम ने भुल्लनपुरा चौराहा स्थित बजरंगगढ़ रोड पर संचालित 'पप्पू किराना स्टोर' की जांच की। इस दौरान दुकान में भारी मात्रा में अमानक पॉलिथीन का स्टॉक और उसका उपयोग होते पाया गया। टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके से 7 किलो 500 ग्राम अमानक पॉलिथीन जप्त करते हुए दुकान मालिक पर 2 हजार रुपए का जुर्माना लगा दिया है। कार्रवाई के दौरान दुकानदार को बताया गया कि अगर वह प्रतिबंधित सामग्री यानी अमानक पॉलीथिन दोबारा अपनी दुकान में रखते हैं तो अगली बार 5 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया जाएगा। इतना ही नहीं गलती दोहराने पर वैधानिक कार्रवाई भी हो सकती है। नगरपालिका प्रशासन ने नगरीय क्षेत्र के नागरिकों और व्यापारियों से अपील करते हुए कहा है कि अमानक पॉलीथिन न केवल नालियों को जाम करती हैं, बल्कि पर्यावरण के लिए भी घातक हैं। यह थैलियां पूरी तरह से सुरक्षित हैं और पर्यावरण को कोई हानि नहीं पहुँचातीं। यदि कोई आवारा जानवर इन्हें खा भी लेता है, तो उनके स्वास्थ्य को कोई नुकसान नहीं होता है।

20 साल बाद बन रही सड़क में 'भ्रष्टाचार' का खेल!

गुना। शहर की पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र में सिंधिया पार्क के पास निमार्णाधीन सीसी रोड विवादों के घेरे में आ गई है। शनिवार सुबह जब क्षेत्र के दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे, तो रातों-रात हुए सड़क निर्माण की गुणवत्ता देखकर उनके होश उड़ गए। व्यापारियों का आरोप है कि नगर पालिका और ठेकेदार की मिलीभगत से बेहद घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है, जहाँ सफाई किए बिना ही कचरे के ऊपर कंक्रीट डाल दी गई है। दुकानदारों ने निर्माण स्थल पर एकत्र होकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। व्यापारियों का कहना है कि सड़क निर्माण से पहले न तो जमीन की ठीक से सफाई की गई और न ही वहां जमा कचरे के ढेर हटाए गए। ठेकेदार ने आनन-फानन में गंदगी के ऊपर ही सीसी रोड की परत बिछा दी। इतना ही नहीं, दुकानदारों ने तकनीकी खामियां गिनाते हुए बताया कि सड़क में मजबूती के लिए सरिया का इस्तेमाल कहीं भी नजर नहीं आ रहा है और जो मिश्रण डाला गया है, उसमें सीमेंट की मात्रा न के बराबर है। आक्रोशित व्यापारियों ने कहा कि पुरानी गल्ला मंडी के लोग पिछले 20 वर्षों से एक अदद पक्की सड़क के लिए तरस रहे थे। अब जब निर्माण कार्य शुरू हुआ, तो वह भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता दिख रहा है। दुकानदारों का कहना है कि ऐसी कमजोर सड़क कुछ ही महीनों में उखड़ जाएगी, जिससे सरकारी धन की बबार्दी के साथ-साथ आम जनता की परेशानी भी जस की तस बनी रहेगी। घटिया निर्माण को लेकर व्यापारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे इस मामले को दबने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि यदि अविलंब गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया और मानक के अनुरूप सड़क नहीं बनाई गई, तो वे सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएंगे। साथ ही, एक प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर निर्माण कार्य की जांच और संबंधित ठेकेदार व इंजीनियर पर कार्रवाई की मांग करेगा। मंडी क्षेत्र के नागरिकों और व्यापारियों ने जिला प्रशासन और नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि वे मौके पर आकर निर्माण कार्य का निरीक्षण करें। बिना तकनीकी मानकों के हो रहे इस कार्य को तुरंत रुकवाकर गुणवत्तापूर्ण सड़क सुनिश्चित की जाए, ताकि जनता के टैक्स के पैसे का सदुपयोग हो सके।

नातिन का फलदान देने जा रहे बुजुर्ग की दुर्घटना में मौत

गुना। बीनागंज क्षेत्र के समीप एक सड़क दुर्घटना में 70 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुरानी छावनी स्थित ओझा मोहल्ला निवासी रमेश ओझा पुत्र कमल सिंह ओझा अपनी नातिन के टीका फलदान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्राम रतोधना गए थे।

कार्यक्रम से लौटते समय रास्ते में उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर बने डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रमेश ओझा गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद उन्हें बीनागंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें गुना जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुँचने पर परीक्षण के उपरांत चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जज्जी बस स्टैंड पर ट्रैफिक पुलिस की सघन चेकिंग

गुना। शहर के व्यस्ततम जज्जी बस स्टैंड पर शुक्रवार को ट्रैफिक पुलिस ने बसों के विरुद्ध एक बड़ा चेकिंग अभियान चलाया, जिससे बस संचालकों और चालकों में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के स्पष्ट निदेशों और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान का नेतृत्व डीएसपी ट्रैफिक मुकेश कुमार दीक्षित के पर्यवेक्षण में टीआई ट्रैफिक श्री अजय प्रताप सिंह ने किया। अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे टीआई ने स्टैंड पर खड़ी और आवागमन कर रही बसों को रोककर उनके फिटनेस, परमिट, बीमा और अन्य अनिवार्य दस्तावेजों की मौके पर ही बारीकी से जांच की। इस सघन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने पाया कि 4 बसों के दस्तावेज अद्यतन नहीं थे और वे नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रही थीं। यातायात पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए इन चारों बसों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत कुल 12 हजार रुपए के चालानी समन काटे। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्यवाही केवल दंडात्मक नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य बस संचालकों को उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराना है ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की तकनीकी लापरवाही या दस्तावेजी कमी के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। अभियान के दौरान चालानी कार्यवाही के साथ-साथ पुलिस ने बस संचालकों और चालकों को मौके पर ही समझाइश देते हुए सख्त हिदायत दी। टीआई अजय प्रताप सिंह ने निर्देश दिए कि सभी वाहन चालक अपने दस्तावेज समय पर अपडेट रखें और किसी भी स्थिति में शराब पीकर वाहन न चलाएं। उन्होंने ओवरलोडिंग से बचने और निर्धारित गति सीमा के भीतर ही बस चलाने की बात पर विशेष जोर दिया।

1 लाख के बिजली बिल का विवाद बना काल ; विवाहिता ने फंदा लगाया

गुना। बिजली का भारी-भरकम बिल और भीषण गर्मी के बीच कटे कनेक्शन ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। नानाखेड़ी क्षेत्र में रहने वाली 22 वर्षीय विवाहिता कीर्ति कुशवाह ने शुक्रवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना तब और रोंगटे खड़े कर देने वाली हो गई जब यह बात सामने आई कि खुदकुशी से पहले मां ने अपनी 10 महीने की दुधमुंही बच्ची के नाक और मुंह में रूई ठूंसकर उसे भी मौत के घाट उतारने का प्रयास किया। घटना के पीछे बिजली बिल को लेकर हुआ घरेलू क्लेश मुख्य वजह बताया जा रहा है। बिजली विभाग का करीब 1 लाख रुपये का बिल बकाया था, जिसके चलते घर का कनेक्शन काट दिया गया था। कीर्ति के परिजनों का आरोप है कि भीषण गर्मी और बिजली न होने के कारण पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद हो रहा था। पति नीतेश द्वारा बिल जमा न करने पर कीर्ति विरोध कर रही थी, जिसके चलते उसके साथ मारपीट भी की गई। कीर्ति की सास का दावा है कि वे 5-5 हजार रुपये की किस्तों में बिल भरने को तैयार थे, लेकिन विभाग ने राहत नहीं दी, जिससे घर में तनाव और बढ़ गया।

ससुराल पक्ष के अनुसार, जब कीर्ति ने आत्मघाती कदम उठाया, उस समय उसकी देवरानी घर में ही मौजूद थी। आनन-फानन में जब परिजनों ने देखा तो मासूम बच्ची रूई ठूंसे जाने के कारण बेहाल थी और सांस नहीं ले पा रही थी। जिला अस्पताल ले जाते समय परिजनों ने रास्ते में बच्ची को 'माउथ-टू-माउथ रेस्पिरेशन' (मुंह से सांस) देकर उसकी जान बचाई। फिलहाल बच्ची का उपचार जारी है।

अस्पताल में भिड़े मायके-ससुराल पक्ष के लोग

जिला अस्पताल में शुक्रवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब मायके और ससुराल पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए। कीर्ति के पिता (महूखान निवासी) ने इसे सोची-समझी हत्या करार दिया है। उनका कहना है कि एक दिन पहले ही दामाद ने घर आकर धमकी दी थी। अस्पताल परिसर में ही कीर्ति की मां और सास एक-दूसरे पर आत्महत्या के लिए उकसाने और प्रताड़ित करने के आरोप लगाती रहीं। करीब 2 साल पहले हुई इस शादी का ऐसा दुखद अंत होने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस पहलू पर भी गौर कर रही है कि क्या यह वाकई गृहक्लेश का मामला है या इसके पीछे कोई और बड़ी साजिश थी।

कर्नलगंज मस्जिद के सामने से शांतिपूर्ण ढंग से निकला जुलूस

गुना। जिले के हृदय स्थल और बेहद संवेदनशील माने जाने वाले कर्नलगंज क्षेत्र में हनुमान जयंती के अवसर पर निकाला गया जुलूस इस बार पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। विशेष रूप से कर्नलगंज मस्जिद के सामने वाले क्षेत्र में, जहां पिछले साल गंभीर विवाद की स्थिति निर्मित हुई थी, वहां इस बार पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी के चलते स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही।

गौरतलब है कि पिछली बार इसी क्षेत्र में जुलूस के दौरान हुए विवाद ने काफी तूल पकड़ा था। उस समय हुए सांप्रदायिक तनाव और विवाद के चलते कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए थे, जिसका खामियाजा प्रशासन को भी भुगतना पड़ा था। उस घटना के बाद ही तत्कालीन पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा का तबादला कर दिया गया था। पुरानी घटनाओं से सबक लेते हुए, इस बार जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने पहले ही सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए थे। कर्नलगंज मस्जिद के सामने से जब जुलूस गुजरा, तो पुलिस बल का भारी जमावड़ा वहां मौजूद था। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं मोर्चा संभाल रखा था और रूट पर पड़ने वाले हर संवेदनशील पॉइंट पर सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों के माध्यम से नजर रखी जा रही थी। शांति समिति की बैठकों और दोनों पक्षों के बीच हुए संवाद का सकारात्मक असर धरातल पर देखने को मिला।

शांति और भाईचारे का संदेश

बिना किसी व्यवधान और नारेबाजी के विवादित स्थल से जुलूस के सुरक्षित निकल जाने पर स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने राहत की सांस ली। प्रशासन की इस सक्रियता ने न केवल शहर की शांति व्यवस्था को बनाए रखा, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि धार्मिक आयोजन अपनी गरिमा और आस्था के साथ संपन्न हों। पुलिस के आला अधिकारियों ने इस सफल आयोजन के लिए आमजन के सहयोग की सराहना की है।

भीषण गर्मी में बेजुबानों का सहारा बनीं गुना पुलिस अधीक्षक एसपी हितिका वासल

गुना। बढ़ती गर्मी और चढ़ते पारे के बीच बेजुबान पक्षियों को राहत पहुँचाने के लिए गुना पुलिस ने एक सराहनीय और मानवीय पहल की है। पुलिस अधीक्षक हितिका वासल के विशेष निर्देशन में जिले के प्रमुख पुलिस कार्यालयों और परिसर में पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था शुरू की गई है। इस मुहिम का उद्देश्य भीषण ग्रीष्मकाल में प्यास से व्याकुल पक्षियों का संरक्षण करना और समाज में जीवदया का संदेश प्रसारित करना है। शुक्रवार को इस अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर, पुलिस कंट्रोल रूम और पुलिस लाइन गुना के विभिन्न स्थानों पर मिट्टी के सकोरे (बर्तन) रखे गए। पेड़ों की छांव और सुरक्षित ऊंचाइयों पर रखे गए इन सकोरों में शुद्ध जल भरा गया है, ताकि चिलचिलाती धूप में पक्षियों को आसानी से पानी उपलब्ध हो सके। इस पुनीत कार्य में केवल पुलिस बल ही नहीं, बल्कि वन विभाग के स्टाफ ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाइन और कंट्रोल रूम के कर्मचारियों ने इस मानवीय कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने कहा कि भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी का प्रबंध करना एक छोटी लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा है। यह जीवों के प्रति हमारी संवेदनशीलता और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को प्रकट करता है।

'भये प्रकट कृपाला दीनदयाला' के जयघोष से गुंजायमान हुआ शहर

शहर में रघुवंशी समाज ने निकाला भव्य चल समारोह

नवभारत न्यूज

गुना। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्मोत्सव 'रामनवमी' जिले भर में अपार श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रघुवंशी समाज द्वारा हर साल की तरह इस बार भी शहर में भव्य चल समारोह निकाला गया। भक्ति गीतों, ढोल-नगाड़ों और भगवान रामलला की मनमोहक झांकियों ने पूरे शहर को राममय कर दिया।

जन्मोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत रामनवमी से एक दिन पहले 26 मार्च को प्रताप छात्रावास परिसर में अखंड रामायण पाठ के साथ हुई थी। इसके बाद शुक्रवार सुबह विधि-विधान से हवन-पूजन संपन्न किया गया। जैसे ही घड़ी की सुइयों ने दोपहर के 12 बजाए, भगवान रामलला का प्रतीकात्मक जन्म उत्सव मनाया गया। इस दौरान उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भये प्रकट कृपाला दीनदयाला का पाठ किया, जिससे पूरा परिसर भक्ति भाव में डूब गया। कार्यक्रम के दौरान प्रताप छात्रावास से भव्य चल समारोह का शुभारंभ हुआ।

इस समारोह में भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण जी और संकटमोचन हनुमान जी की सजीव एवं आकर्षक झांकियां सजाई गई थीं, जो मार्ग भर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। बैंड-बाजों की मधुर धुनों और ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते हुए सैकड़ों समाजजनों ने जय श्रीराम के नारे लगाकर वातावरण को गुंजायमान कर दिया। चल समारोह प्रताप छात्रावास से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों—जगदीश कॉलोनी, हाट रोड, सदर बाजार, लक्ष्मीगंज, जयस्तंभ चौराहा और हनुमान चौराहा होते हुए पुन: प्रताप छात्रावास प्रांगण पहुंचा। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा और शीतल जल की व्यवस्था कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। समारोह का समापन प्रताप छात्रावास में आयोजित भव्य महाआरती के साथ हुआ। धार्मिक और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम के अंत में विशाल महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ लिया। रघुवंशी समाज के पदाधिकारियों ने इस सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

कैंट पुलिस ने घर से लापता 5 वर्षीय मासूम को सुरक्षित खोजा

गुना। गुना पुलिस ने जनसेवा और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराया है। कैंट थाना पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए गुमशुदा बालक को सुरक्षित ढूंढ निकाला और उसे सकुशल उसके परिवार से मिलाया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। घटना 26 मार्च 2026 की है। कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मावन से एक 5 वर्षीय बालक अचानक अपने घर से बिना बताए कहीं चला गया था। काफी देर तक जब बच्चा घर नहीं लौटा, तो परिजनों में हड़कंप मच गया। अनहोनी की आशंका को देखते हुए तत्काल इसकी सूचना कैंट पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के आदेश पर पुलिस टीम तुरंत हरकत में आई। थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव के नेतृत्व में अलग-अलग टीमें गठित की गईं।

आम जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार नदोली आदिवासी पुत्र श्री खेरम आदिवासी, निवासी 28, ऊमरीकलां तहसील विजयपुर जिला श्योपुर म.प्र.द्वारा विक्रेतागण(1) तोरन पुत्र बालमुकुंद सहरिया निवासी ग्राम खडगपुर सावरामोदी झागर गुना, (2) सरस्वती पुत्री बालमुकुंद सहरिया पत्नि रमेश आदिवासी निवासी ग्राम मंगवार गुना, (3) मेवा पुत्री बालमुकुंद सहरिया पत्नि वैजनाथ निवासी ग्राम चीम रामपुर गुना, (4) भागवती पुत्री बालमुकुंद सहरिया पत्नि पहलवानसिंह निवासी देवरीअंग मुहलपुर गुना से उनके संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की ग्राम जगनपुर हल्का कुशमोदा तहसील गुना स्थित प.ह.न. 59 में भूमि सर्वे क्र.13/2/3 (S) रकबा 0.690 हेक्टेयर भूमि एवं विक्रेतागण (1) लक्ष्मणसिंह पुत्र जवाहरसिंह सहरिया निवासी ग्राम टकनेरी अशोकनगर, (2) बलवीर सिंह पुत्र जवाहरसिंह सहरिया निवासी ग्राम जगनपुर गुना, (3) लखनसिंह पुत्र जवाहरसिंह सहरिया निवासी ग्राम जगनपुर गुना (4) सुशीलाबाई पुत्री जवाहरसिंह सहरिया पत्नि रतना निवासी ग्राम मंगवार गुना से उनके संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की ग्राम जगनपुर हल्का कुशमोदा तहसील गुना स्थित प.ह.न. 59 में भूमि सर्वे क्र. 13/2/2 (S) रकबा 1.106 हेक्टेयर भूमि को क्रय करना तय किया है। उक्त वर्णित भूमि सर्वे क्र.13/2/3 (S) रकबा 0.690 हेक्टेयर एवं भूमि सर्वे क्र. 13/2/2 (S) रकबा 1.106 हेक्टेयर भूमि के संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, गृहनिर्माण समिति, बैंक, फर्म, सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय को कोई आपत्ति हो या उक्त वर्णित भूमि कहीं दान, गिरवी, बंधक, विक्रय, अनुबंध इत्यादि हो, तो वह व्यक्ति अथवा संस्था इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे, अन्यथा मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि को क्रय कर उसका पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जायेगा और इसके बाद कोई भी आपत्ति मान्य एवं स्वीकार नहीं होगी। दिनांक: 27/03/2026

भवदीय-साबिर खांन मंसूरी एडवोकेट
कार्यालय-लक्ष्मीगंज चौराहा,गुना
मोबा.:9179535114